जैनी कौन ?

संचालक – पं. जिनेन्द्र जी शास्त्री, जयपुर

विशेष सहयोग – ऋषभ जी शास्त्री, आकश शास्त्री, जयपुर

आप्तअनुशीलन जैन,

नियम : -

- तीन चरण होंगे|
- आप एक सच्चे जैनी है तो आपके सारे जवाब सच्चे जैन के अनुसार होने चाहिये|
- हमारे द्वारा दिए गये चित्र या प्रश्न में से आपको सही विषय चयन करना हैं|

प्रथम चरण – चित्र और आप

-: नियम :–

- दिए गये चित्र में से आपसे पूछे गये प्रश्नों के जवाब देने है|

जीव और अजीव पहचनाना हैं ?

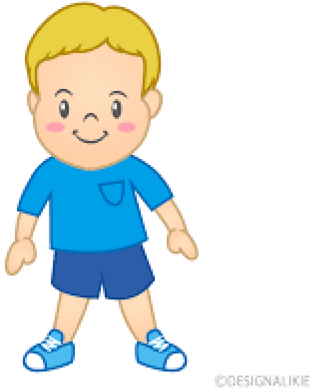

आपको पुण्य-पाप और धर्म पहचानना हैं ?

आपको अच्छी और बुरी आदते पहचानना हैं ?

इससे आपको क्या प्रेरणा मिलती हैं ?

यह चित्र किस घटना को बताता हैं ?

यह क्या हो गया ?

द्वितीय चरण – बूझो तो जानो

-: नियम :-

- दिए गये प्रश्न के सही विकल्प क चयन करना है |
- सही विकल्प एक से अधिक भी हो सकते है |

1. सच्चा जैनी कौन हैं ?

1. जो दिन में भोजन करता हो
2. रोज टीवी देखता हो
3. छानकर पानी पिता हो
4. नित्य नियम से जिनालय जाता हो
5. रोज नहाता हो

2. सम्यग्दर्शन क्या है ?

1. सात तत्त्वों का यथार्थ श्रद्धान
2. देव-शास्त्र-गुरु का सही श्रद्धान
3. दूसरों की प्रशंसा करना
4. णमोकार मंत्र पढ़ना
5. स्व-पर का भेद-विज्ञान करना
6. आत्मा का अनुभव

3. धर्म क्या है ?

1. पैसा कमाना
2. ध्यान करना
3. भोजन ना करना
4. तीर्थयात्रा करना
5. आत्मा का अनुभव करना
6. जो हमें उत्तम सुख दिलावे

4. जैन धर्म के अनुसार शांतिनाथ थे ?

- तीर्थंकर
- कामदेव
- रूद्र
- नारद
- चक्रवर्ती
- प्रतिनारायण
- भगवान

तीसरा चरण – धुन सुनकर पंक्तिया बोले

-: नियम :-

- बोली गयी धुन को पहचान कर आपको उस भजन का नाम अन्तरा बोलना है |
- बोले गये अर्थ को समझकर उन पंक्तियों को बोलना है |

1. धुन सुनकर भजन बोलिए ?

2. धुन सुनकर भजन बोलिए ?

3. अर्थ पढ़कर भजन बोलिए ?

- हे ! भगवन आपकी जिन प्रतिमा कैसी सुंदर हैं, और आपका रूप भी कैसा सुंदर हैं | जिसे देखकर अपना आत्म स्वरुप सहज दिख जाता हैं

4. अर्थ पढ़कर भजन बोलिए ?

- मैं साधु बनकर वन में विचरण करूं- वह समय कब आएगा| मैं मोक्ष के मार्ग पर चलूँ वह समय कब आएगा |